SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

मूल्यांकन

भाषा बोध (बोलना, सुनना, पढ़ना एवं लिखना) में प्रवीणता का मूल्यांकन

मूल्यांकन :- मूल्यांकन एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है। यह शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न अंग है।

मूल्यांकन का शाब्दिक अर्थ है :- मूल्य निर्धारण करना।

ग्रीन के अनुसार :- "शिक्षा में मूल्यांकन एक नवीन अवधारणा है। इसका प्रयोग विद्यालय में कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शैक्षिक छात्र तथा शिक्षक की जाँच के लिए किया जाता है।

भाषा शिक्षण में मूल्यांकन का उद्देश्य:-

- विद्यार्थी के भाषायी कौशलों की प्रगति का आकलन करना।
- विद्यार्थी का सतत् मूल्यांकन करके भाषा शिक्षण में आने वाली कठिनाईयों को दूर करना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सृजनात्मक का विकास करना।
- छात्रों की योग्यताओं, कुशलताओं, रूचियों आदि का पता लगाना एवं उनके अनुसार शिक्षण विधि को अपनाना।
- शिक्षक, शिक्षण पद्धति, पाठ्यवस्तु की जाँच करने में सहायक है।

मूल्यांकन का भाषा शिक्षण में महत्व:-

- मूल्यांकन एक निर्णयात्मक प्रक्रिया है। इसके अंतर्गत विषय वस्तु की उपयोगिता का निर्णय किया जाता है।
- मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा अध्यापक विद्यार्थियों की बुद्धि लब्धि का मूल्यांकन कर सकता है।
- मूल्यांकन व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करने वाली एक सुव्यवस्थित प्रणाली है।
- मूल्यांकन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। इसमें प्रश्न हल योग्यता, ज्ञान, कौशल तथा उनकी सीमाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।

भाषा-कौषल का मूल्यांकन -

(1) श्रवण कौशल का मूल्यांकन:- साहित्य का शिक्षण करते समय अध्यापक विषय वस्तु की जाँच छात्रों के सामने करता है। छात्रों ने विषय वस्तु को ग्रहण किया है या नहीं, इसके लिए पाठ का सार पूछकर विषय वस्तु से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के श्रवण कौशल की जाँच परख इत्यादि के द्वारा श्रवण कौशलों को मूल्यांकन किया जाता है।

(2) मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का मूल्यांकन:- मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास किस स्तर तक हुआ है। इसकी जाँच मौखिक परीक्षा एवं प्रयोगिक परीक्षा के द्वारा की जा सकती है। विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रम जैसे की भाषण, कविता, पाठ, वाद-विवाद, प्रतियोगिता करवाकर उनके मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की जाँच की जा सकती है।

(3) पठन कौशल का मूल्यांकन:- पठन कौशल के मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी को पढ़कर समझने अर्थात् अर्थग्रहण करने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। साथ ही विद्यार्थी द्वारा यति-गति विराम चिन्ह इत्यादि को ध्यान में रखते हुए धारा प्रभाव (हाव-भाव) पढ़ने की क्षमता का मूल्यांकन भी किया जाता है। इस कौशल का मूल्यांकन कविता, कहानी का पाठ करवाकर, गद्यांश पर आधारित प्रश्नों का हल करवाकर इत्यादि के द्वारा किया जा सकता है।

(4) लेखन कौशल का मूल्यांकन:- लेखन कौशल के मूल्यांकन में अध्यापक विद्यार्थियों को लेखन क्षमताओं का आंकलन करना है। अध्यापक यह आंकलन करता है कि विद्यार्थी लिखकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने में सक्षम हुए हैं। अथवा नहीं साथ ही वह उनके लेखन में, वर्तनी, विराम चिन्ह इत्यादि से संबंधित दोष का भी मूल्यांकन करता है। निबंध-लेख, अनुच्छेद, लेख-सुलेख इत्यादि के द्वारा लेखन कुशलता का मूल्यांकन किया जाता है।

मूल्यांकन की विधियाँ:- मूल्यांकन की तीन विधियाँ हैं।

(1) लिखित परीक्षा (लघु, निबंधात्मक, वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(2) मौखिक परीक्षा

(3) प्रायोगिक परीक्षा

प्रश्नावली -

- प्रश्न पूछना, प्रतिक्रिया व्यक्त करना, परिचर्चा में लेख, वर्णन, क्षमता –

Ans. भाषा सीखने-सिखाने तथा आकलन के तरीके हैं।

- भाषा आकलन में कौन सा तत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

Ans. भाषा संरचनाओं पर आधारित प्रश्न।

➢ मूल्यांकन उपयोगी है?
Ans. विद्यार्थियों के प्रगति जगाने में उपस्थिति जानने में, आचरण जानने में।

➢ भाषा के सतत् व व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य है?
Ans. बच्चों द्वारा भाषा सीखने की प्रक्रिया को जानना, समझना।

➢ बच्चों के लिखित कार्य के आकलन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?
Ans. अभिव्यक्त विचार।

➢ भाषा में सतत् व व्यापक आकलन का उद्देश्य है?
Ans. भाषा के मौखिक व लिखित रूपों के प्रयोग की क्षमता का आकलन।

➢ समग्र और सतत् मूल्यांकन –
Ans. से ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास सम्भव है।

1. हिंदी भाषा के सतत् और व्यापक मूल्यांकन के संदर्भ में कौन-सा उचित नहीं है?

A. यह बच्चे के संदर्भ में ही मूल्यांकन करता है।

B. यह बच्चों को उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण श्रेणियों में विभाजित करने में विश्वास रखता है।

C. सतत् और व्यापक मूल्यांकन बच्चों की सीखने की क्षमता और तरीके के बारे में जानकारी देता है।

D. यह बताता है कि बच्चों को किस तरह की मदद की जरूरत ह।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2. भाषा-शिक्षकों के लिए भाषा ही उनकी _____ है |

A. कुंजी

B. पूँजी

C. भण्डार-सामग्री

D. कल्पवृक्ष की फलिया

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3. सतत् और व्यापक मूल्यांकन मुख्य रूप से _____ पर बल देता।

A. बच्चे के सुधार के लिए लगातार परीक्षण करने।

B. बच्चे के व्यवहार का सतत् अवलोकन करने।

C. मस्तिष्क, हृदय और हाथ की शिक्षा पर।

D. कमजोर अयोग्य विद्यार्थियों को उच्च स्तर (अगली कक्षा) पर प्रोन्नत करने।

4. मूल्यांकन का प्रयोजन है।

A. बच्चों को डर के दबाव में अध्ययन के लिए प्रेरित करना।

B. बच्चों को धीमी गति से सीखने वाले, होशियार, समस्यात्मक छात्र आदि वर्गों में विभाजित करना।

C. बालक के विकास के हर पक्ष का मूल्यांकन करना।

D. उन बच्चों को पहचानना जिन्हें उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता है।

5. पाठ्य-कुशलता का मूल्यांकन करने के लिए आप क्या करेंगे?

A. पढ़ी गई सामग्री पर तभ्पात्मक प्रश्न पूछेंगे।

B. पढ़ी गई सामग्री पर प्रश्न बनाएंगे।

C. पुस्तक के किसी पाठ की पंक्तियों को पढ़ा पाएँगे।

D. बच्चों से जोर-जोर से बोलकर पढ़ने के लिए कहेंगे ताकि उच्चारण की जाँच हो सके।

6. मौखिक भाषा के आकलन का सर्वोत्तम तरीका है?

A. अन्त्याक्षरी।

B. प्रश्नों के तयशुदा उत्तर देना।

C. अनुभव बाँटना व बातचीत।

D. किताब पढ़ना।

7. निम्नलिखित में से कौन-सी उद्देश्यनिष्ठ मूल्यांकन की विशेषता नहीं है?

A. वस्तुनिष्ठता तथा विभेदकारी

B. विश्वसनीयता एवं वैधता

C. व्यापकता एवं व्यवहारिकता

D. संवेदनशीलता